Literacy for a Billion

Movie: Mere Mehboob
Year: 1963

Song: Yaad Mein Teri
Lyricist: Shakeel Badayuni

याद में तेरी जाग जाग के हम
रात भर करवटें बदलते हैं
हर घड़ी दिल में तेरी उल्फ़त के
धीमे धीमे चराग़ जलते हैं

जब से तूने निगाह फेरी है
दिन है सूना तो रात अँधेरी है
चाँद भी अब नज़र नहीं आता
अब सितारे भी कम निकलते हैं

याद में तेरी जाग जाग के हम
रात भर करवटें बदलते हैं

लुट गई वो बहार की महफ़िल
छुट गई हमसे प्यार की मंज़िल
ज़िन्दगी की उदास राहों में
तेरी यादों के साथ चलते हैं

याद में तेरी जाग जाग के हम
रात भर करवटें बदलते हैं

तुझको पाकर हमें बहार मिली
तुझसे छुटकर मगर ये बात खुली
बाग़बाँ भी चमन के फूलों को
अपने पैरों से खुद मसलते हैं

याद में तेरी जाग जाग के हम
रात भर करवटें बदलते हैं

क्या कहें तुझसे क्यों हुई दूरी
हम समझते हैं अपनी मजबूरी
तुझको मालूम क्या के तेरे लिए
दिल के ग़म आँसुओं में ढलते हैं

याद में तेरी जाग जाग के हम
रात भर करवटें बदलते हैं
हर घड़ी दिल में तेरी उल्फ़त के
धीमे धीमे चराग़ जलते हैं

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.